फरीदाबाद
मजदूर समाचार
अनुभवों तथा विचारों के आदान-प्रदान के जरियों में एक जरिया

'मजदूर समाचार' की कुछ सामग्री अंग्रेजी में इन्टरनेट पर है। देखें—
< http://faridabad majdoorsamachar.blogspot.in>

डाक पता : मजदूर लाईब्रेरी, आटोपिन झुग्गी, एन.आई.टी. फरीदाबाद - 121001

नई सीरीज नम्बर **324** *1/–* **जून 2015**

मुखर होते क्षमता में आत्मविश्वास से भरे

अप्रैल 2015 के मजदूर समाचार में ''कुछ अस्थाई मजदूरों की बातें'' पर तरह-तरह की बातचीतें उभरी हैं, उभर रही हैं। नागपुर से फैक्ट्री मजदूरों ने समूह में चर्चा कर फोन पर गुण विवेचना की। सुना है कि बांग्ला भाषा में इसका अनुवाद प्रकाशित हुआ है। अमरीका में गल्फ लेबर से जुड़ी कला छात्रा को अंग्रेजी अनुवाद अति आवश्यक लगा है। फैक्ट्रियों में कार्यरत, फैक्ट्रियों में कार्य कर चुके लोगों ने उत्साह, उत्तेजना महसूस की है। एक साथी के अनुसार आज यह विश्व-भर में मजदूर होने की एक सर्वोत्तम अभिव्यक्ति का उदाहरण है। एक और के मुताबिक यह आज मजदूर होने की व्यापक, विस्तृत, सार्विक शर्त है। साथ ही, मजदूरों की इन बातों का राजनीतिक संगठन के लोग मजदूर लाइब्रेरी पहुँच कर विरोध भी दर्ज कर चुके हैं।

उत्साह, उत्तेजना, समर्थन, विरोध क्यों ? हमारे विचार से इनका कारण मजदूरों का मुखर आत्मविश्वास है। और, यह आत्मविश्वास कुछ क्षमताओं से गठित है। यह क्षमतायें गुण भी हैं और शर्त भी हैं। इस सन्दर्भ में हमारी प्रारम्भिक सूची यह है —

(क)
- वर्णन करने की क्षमता
- विश्लेषण की क्षमता
- स्मृति उपकरणों का प्रयोग

(ख)
- साधन जुटाने की क्षमता
- सामर्थ्य का निर्माण
- निर्णय लेने की क्षमता

(ग)
- मंच के वक्ता/श्रोता के विभाजन को निष्क्रिय, अप्रभावी करने की क्षमता
- आडम्बर में छेद करने की क्षमता
- खरी-खरी सुनाने का आत्मबल

(घ)
- लचीले, अहंकारहीन कदम
- अपने बल पर कदम
- गलती-भूल स्वीकार, नये प्रयोग के प्रति खुलापन
- व्यक्ति, टोली, मंडली, समूह, जमाव, संघ, लश्कर में कदम उठाने की क्षमता

(च)
- सरलता, भोलापन, सीधापन और गहनता, गहराई, गंभीरता को साथ-साथ रखने की क्षमता
- सूत्र, स्रोत के प्रति उदारता रखने की क्षमता
- विभिन्न सलाह, परामर्श, राय सुनने की क्षमता
- सुनना सब की, करना अपनी सोच-समझ के अनुसार, यह क्षमता

(छ)
- महत्त्व की पहचान की क्षमता
- धैर्य, तप, धीरता से विश्लेषण की क्षमता
- संकेत पढने की, छिपे को खोलने की, गूढ को पढने, कूट को पढने की क्षमता

(ज)
- कार्यस्थलों के आर-पार, सभी जगह सक्रियता की क्षमता
- क्षेत्र-व्यापी मौजूदगी की अभिव्यक्ति की क्षमता

(झ)
- आराम से, सांप्रदायिक विलास, सामूहिक सुख, साम्यवादी आनन्द की क्षमता
- ''मजदूर चाहते क्या हैं ?'' पहेली का ताप बढाने की क्षमता ♦

असंगत बन गये है

कानूनों का उल्लंघन सामान्य बन गया है। कानूनों का पालन अपवाद बन गया है। कानूनों का कार्य नहीं कर पाना, कानूनों का नाकारा हो जाना, कानूनों का असंगत बन जाना एक लक्षण है। यह इस बात का लक्षण है कि जिन सामाजिक सम्बन्धों के आधार पर कानून खड़े हैं वे सामाजिक सम्बन्ध कार्य नहीं कर पा रहे, वे सामाजिक सम्बन्ध नाकारा हो गये हैं, वे सामाजिक सम्बन्ध असंगत हो गये हैं। सामाजिक सम्बन्ध और उसके कानूनों का असंगत होना नये सामाजिक सम्बन्ध की आवश्यकता की अभिव्यक्ति भी है, नये सामाजिक गठन की पूर्ववेला भी है। ऊँच-नीच, मण्डी-मुद्रा, खरीद-बिक्री, हानि-लाभ, रुपये-पैसे, मजदूरी-प्रथा वाले सामाजिक सम्बन्ध की जगह क्या ? विश्व के सात अरब लोगों में इस पर मन्थन हो रहा है। हमें लगता है कि फैक्ट्री मजदूरों की इस सामाजिक मंथन में उल्लेखनीय भूमिका है। इस सन्दर्भ में आदान-प्रदान बढाने में मजदूर समाचार योगदान देने के लिये फैक्ट्री मजदूरों की बातों को प्रकाशित करता है।

होण्डा मोटरसाइकिल एण्ड स्कूटर मजदूर : ''प्लॉट 1 व 2 सैक्टर-3, आई एम टी मानेसर स्थित फैक्ट्री में मई-आरम्भ से बाइक उत्पादन कम है और स्कूटर उत्पादन सामान्य है। फिर भी स्कूटर प्लान्ट से राज्य सरकार द्वारा मान्यता, राष्ट्रीय मान्यता नहीं कह कर मई में 100 से ज्यादा राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार आदि से आई टी आई कियों को निकाला है। राज्य/राष्ट्रीय मान्यता वाले फेर के अलावा पहले साल वाले मई माह में बाइक प्लान्ट से 450 मजदूर निकाले हैं। होण्डा कम्पनी की मानेसर के बाद बंगलुरू, फिर टपुकड़ा (अलवर) में दुपहियों का उत्पादन हो रहा है और नवम्बर से गुजरात में फैक्ट्री में भी प्रोडक्शन शुरू हो जायेगा। मानेसर से स्थाई मजदूरों को स्टाफ बना कर कम्पनी ने अन्य प्लान्टों में भेजा है। पिछले मैनेजमेन्ट-यूनियन तीन वर्षीय समझौते में हर वर्ष 100 अस्थाई मजदूरों को स्थाई करना तय हुआ था — 50 वरिष्ठता के आधार पर और 50 परीक्षा द्वारा। पाँच वर्ष पहले वाली परीक्षा के परिणाम तीन साल बाद घोषित किये और फिर कोई परीक्षा ही नहीं ली है। यूनियन से एग्रीमेन्ट को तीन वर्ष पूरे हो गये हैं, 300 स्थाई होने चाहियें थे पर कम्पनी ने 100 ही स्थाई किये हैं। स्टाफ में करने और कम को परमानेन्ट करने के कारण अब यहाँ स्थाई मजदूर 1500-1600 हैं। ठेकेदारों के जरिये रखे नये मजदूर की तनखा 10,000 और पाँच साल से काम कर रहे की 12,000 रुपये है। ...... होण्डा कैन्टीन में हम 200 मजदूर 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में काम करते हैं। हमें ओवर टाइम काम के पैसे नहीं दिये जाते। प्रतिदिन 12 घण्टे ड्युटी पर 26 दिन के काट-पीट हमें 6000 रुपये देते हैं। फैक्ट्री में एच आर विभाग है, यूनियन है, सब हैं फिर भी ऐसे ही चलता है। अफसर और लीडर सुनते ही नहीं। कोई कैन्टीन वरकर उन्हें ज्यादा बोलता लगता है तो उसे नौकरी से निकाल देते हैं।''

गुप्ता एग्जिम श्रमिक : ''छपरौला रोड़, पृथला, पलवल स्थित फैक्ट्री की पुरानी इमारत में कपड़ों की रंगाई होती है और नई बिल्डिंग में, बेसमेन्ट व 4 मंजिलों पर एक्सपोर्ट का काम होता है। एक्सपोर्ट में 300 महिला मजदूर और 1200-1300 पुरुष मजदूर काम करते हैं। सुबह 9½ बजे काम आरम्भ होता है, महिला मजदूरों का रोज 1½ घण्टे ओवर टाइम, उन्हें रात पौने आठ छोड़ते हैं। पुरुष मजदूर रात पौने आठ, रात 11 बजे, अगली सुबह 4 बजे तक काम करते हैं। बदरपुर बार्डर से बसें सुबह 8 बज कर 10 मिनट पर चलती हैं और बल्लभगढ़ से 8 बज कर 40 मिनट पर। रात को 8 बज कर 20 मिनट पर ज्यादा बसें फैक्ट्री से फरीदाबाद की तरफ चलती हैं, फिर 5 बसें रात सवा 11 बजे, और 3 बसें अगली सुबह सवा 4 बजे। पलवल की तरफ वाले मजदूरों को स्वयं अपने आने-जाने का प्रबन्ध करना पड़ता है। कैन्टीन एक है, वरकर ज्यादा हैं इसलिये अलग-अलग मंजिल का अलग-अलग लन्च होता है जिसकी सूचना लाउडस्पीकर से देते हैं। कैन्टीन में थाली 20 और 30 रुपये की, भोजन खराब —मजदूर अपनी रोटी ले जाते हैं पर रात पौने आठ बाद जबरन रोकते हैं तब कैन्टीन का भोजन करना पड़ता है। रात 11 बजे तक रोकते हैं तब वरकर को 20 रुपये का कूपन और अगली सुबह 4 बजे तक रोकते हैं तब 35 रुपये का कूपन कम्पनी देती है। सिलाई कारीगर 800 के करीब हैं और अधिकतर पीस रेट पर हैं। फिनिशिंग में महीने में 100-120-150 घण्टे ओवर टाइम लेकिन पे-स्लिप में 15-16 घण्टे ओवर टाइम तथा भुगतान दुगुनी दर से दिखाते हैं। अधिकतर ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से करते हैं। यहाँ बायर कोल आदि का माल तैयार होता है। कम्पनी ने बिना सूचना के अचानक दूसरी मंजिल पर काम बन्द कर अप्रैल में वहाँ के सब मजदूरों को निकाल दिया।''

भैरव इम्ब्राइड्री कामगार : ''सी-16 ओखला फेज-1, दिल्ली स्थित फैक्ट्री में इम्ब्राइड्री में 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट हैं और पैकिंग, सिलाई, रंगाई, सैम्पलिंग, हैण्ड वर्क में दिन की 8 घण्टे की शिफ्ट है। कम्प्युटर इम्ब्राइड्री ऑपरेटर को 12 घण्टे रोज पर 26 दिन के 9000 रुपये और हैल्पर को 6000 रुपये देते हैं (कानून अनुसार इनके 21,996 तथा 18,096 रुपये बनते हैं)।''

अपोलो एक्सपोर्ट वरकर : '' प्लॉट 13 सैक्टर-8, आई एम टी मानेसर स्थित फैक्ट्री में 600 मजदूर सुबह 9½ से रात 12 बजे तक रोज काम करते हैं, अगली सुबह 4 बजे तक रोक लेते हैं। रविवार को भी काम। प्रोडक्शन (सिलाई) और फिनिशिंग, दोनों में महीने में 200-250 घण्टे ओवर टाइम के। दो घण्टे प्रतिदिन ओवर टाइम का भुगतान दुगुनी दर से और बाकी के समय का सिंगल रेट से। फैक्ट्री में कैन्टीन थी, दो महीने से बन्द कर रखी है — खाली दिखाने के लिये है। रोटी के लिये 30 रुपये देते हैं, फैक्ट्री के बाहर जाना पड़ता है। बड़ा वाला कूलर है — चलता नहीं है, दिखावे के लिये है। सिलाई की चार लाइन हैं, दो लाइनों में ही पँखे हैं। पहली मई से टेलरों की तनखा बन्द, अब पीस रेट पर हैं और 400 सिलाई कारीगरों की ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं। फिनिशिंग में कम्पनी द्वारा रखे 60-70 की ई एस आई व पी एफ हैं लेकिन ठेकेदार के जरिये रखे 70-80 की नहीं हैं।''

ए बी इन्टरनेशनल मजदूर : '' डी-6/6 ओखला फेज-2, दिल्ली स्थित फैक्ट्री में सिलाई कारीगरों को 8 घण्टे के 320 रुपये (कानून अनुसार 423 रुपये होने चाहियें) और हैल्परों की तनखा 6000 रुपये (कानून अनुसार 9048 रुपये होनी चाहिये)। ड्युटी सुबह 9½ से रात 8½, ओवर टाइम का भुगतान 40 रुपये प्रतिघण्टा (कानून अनुसार 106 रुपये प्रतिघण्टा होने चाहिये)।''

ओमैक्स ऑटो श्रमिक : '' प्लॉट 6 सैक्टर-3, आई एम टी मानेसर स्थित फैक्ट्री में 214 स्थाई मजदूरों की 3 शिफ्ट हैं और 225 कैजुअल वरकर तथा ठेकेदारों के जरिये रखे 600 मजदूरों 10-12-14 घण्टे की दो शिफ्ट हैं। ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से, हैल्परों को 25 रुपये प्रतिघण्टा। यहाँ हीरो, सुजुकी, होण्डा दुपहियों के लोहे के हिस्से-पुर्जे बनते हैं, पावर प्रैसों पर उँगली कटती हैं। कैन्टीन में 10 रुपये में थाली —कच्ची-पक्की रोटी रहती हैं। इधर मिलीभगत से स्थाई मजदूरों को निकालना आरम्भ हुआ है — 15-20 वर्ष बाद परमानेन्ट वरकरों से कम्पनी सर्टीफिकेट माँग रही है, फर्जी प्रमाणपत्र के नाम पर 4 बाहर कर रखे हैं और एक ने इस्तीफा दे दिया है।'' ***लैदरटेक कामगार :*** '' डी-43 ओखला फेज-1, दिल्ली स्थित फैक्ट्री में तनखा से पी एफ राशि काटते हैं पर **(शेष पृष्ठ तीन पर)**

निमंत्रण

जून में 28 तारीख वाले रविवार को मिलेंगे। सुबह 10 से देर साँय तक अपनी सुविधा अनुसार आप आ सकते हैं। फरीदाबाद में बाटा चौक से थर्मल पावर हाउस होते हुए रास्ता है। ऑटोपिन झुग्गियाँ पाँच-सात मिनट की पैदल दूरी पर हैं।

Ph. 0129-6567014
E-mail < majdoorsamachartalmel@gmail.com >
E-mail < baatein1@yahoo.co.uk >

असंगत बन गये है ....*(पेज दो का शेष)*

चार वर्ष से जमा नहीं कर रहे। बीस हैल्परों में से दस को दिल्ली सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन और 10 की तनखा 5000-6000 रुपये (कानून अनुसार 9048 रुपये होनी चाहिये)। सुबह 9 से रात 8½ बजे तक रोज काम। ओवर टाइम का भुगतान दुगुनी दर की बजाय सिंगल रेट से। तनखा हर महीने देरी से, 12-15 तारीख को।''

कॉपर स्टैन्डर्ड (मैटजेलर) वरकर : '' प्लॉट-7 सैक्टर-3, आई एम टी मानेसर स्थित फैक्ट्री में 400 मजदूर सुबह 6 से साँय 6 बजे, रात 10 बजे तक वाहनों के विन्डो फ्रेम आदि को वाटर प्रूफ, एयर प्रूफ बनाने वाला रबड़ तैयार करते हैं। जब काम ज्यादा होता है तब 12-16 घण्टे की एक शिफ्ट की बजाय 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में काम। ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से........ डेढ महीने पहले ओवर टाइम की पेमेन्ट दुगुनी दर से करने के लिये मैनेजमेन्ट से मीटिंग हुई थी, मीटिंग के बाद रसगुल्ले-मिठाई बँटी, लेकिन ओवर टाइम के पैसे डबल नहीं किये हैं। फैक्ट्री में काम करते 60-70 स्थाई मजदूरों की तनखा 10-12 हजार रुपये और 3 ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे 325 मजदूरों की तनखा 5800-6500 रुपये। उँगली-हाथ कटने पर कम्पनी ने पहले 2-4 को परमानेन्ट किया पर अब नहीं करती, साणंद (गुजरात) जाओ, चेन्नई जाओ कहते हैं।''

स्कोप इन्टरनेशनल मजदूर : '' आर जैड 2823, गली नं. 32, तुगलकाबाद एक्सटैन्शन, दिल्ली स्थित फैक्ट्री में सिलाई कारीगर पीस रेट पर हैं और हैल्पर की तनखा 5000 रुपये (कानून अनुसार 9048 रुपये होनी चाहिये) और चैकर की 6-7 हजार रुपये (कानून अनुसार 10,010 रुपये होनी चाहिये)। तनखा हर महीने देरी से, 14-15 तारीख को।''

अफलाटैक्स श्रमिक : '' प्लॉट 12 सैक्टर-8, आई एम टी मानेसर स्थित फैक्ट्री में 700 मजदूर काम करते हैं पर ई एस आई व पी एफ मजदूरों में किसी की नहीं हैं। टेलर पार्ट रेट पर काम करते हैं, नये पीस पर रेट के लिये 1-2-4 घण्टे सिलाई कारीगरों द्वारा काम बन्द करना आम बात है। पार्ट रेट में लफड़ा रिश्वत का है — कमाई वाले पार्ट पर काम के लिये स्टाफ वाले टेलरों से पैसे लेते हैं। कैन्टीन में भोजन बहुत-ही खराब।''

ओरियन्ट क्राफ्ट कामगार : '' बी-14 ओखला फेज-2, दिल्ली स्थित फैक्ट्री में फिनिशिंग विभाग के 250-300 मजदूर 25 मई से बहुत खराब सोलवेन्ट केमिकल से परेशान हैं। दाग हटाने के लिये गन मारने पर झाग आते हैं और सामने धागे काटने वाले मजदूर खाँसने लगते हैं।''

एमटेक ए सी आई एल वरकर : '' प्लॉट 53-54 सैक्टर-3, आई एम टी मानेसर स्थित फैक्ट्री में 100 स्थाई मजदूर और ठेकेदारों के जरिये रखे 400 मजदूर 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में वाहनों के क्रैन्क बनाते हैं। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। स्थाई मजदूरों की तनखा 22-27 हजार रुपये और अस्थाई वरकरों की 5400-6000 रुपये।''

जे एन एस इन्सट्रुमेन्ट्स मजदूर : '' प्लॉट 4 सैक्टर-3, आई एम टी मानेसर स्थित फैक्ट्री में नौकरी छोड़ने पर 10-15 दिन किये काम के पैसों के लिये बहुत चक्कर कटवाते हैं — इतने चक्कर लगवाते हैं कि नब्बे प्रतिशत मजदूर उन पैसों को छोड़ देते हैं। कम्पनी अधिकारी और ठेकेदार उन पैसों को खा जाते हैं।''

किरण उद्योग श्रमिक : '' बी-182 ओखला फेज-1, दिल्ली स्थित फैक्ट्री में कम्पनी स्वयं भर्ती करती है तब तनखा 6500 रुपये (कानून अनुसार 9048 रुपये होनी चाहिये)। ई एस आई तथा पी एफ 5-6 महीने बाद लागू करते हैं (कानून अनुसार पहले दिन से लागू होने चाहियें)। फैटलिंग के लिये ठेकेदारों के जरिये रखे 60 मजदूरों की तनखा 5-6-7000 रुपये, ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं।''

स्काईलार्क कामगार : '' सी-65/3 ओखला फेज-2 स्थित प्रिन्टिंग प्रेस में हैल्परों की तनखा 5750 रुपये (कानून अनुसार 9048 रुपये होनी चाहिये)। ऑपरेटरों की तनखा 7500-9000 रुपये (कानून अनुसार 10,998 रुपये होनी चाहिये)।''

कैपिटल रेडियो कम्पनी वरकर : '' बी-6/4 ओखला फेज-2, दिल्ली स्थित फैक्ट्री में ओवर टाइम का भुगतान दुगुनी दर से है लेकिन एक दिन

हरियाणा सरकार द्वारा 1 जनवरी 2015 से निर्धारित न्यूनतम वेतन :

अकुशल श्रमिक	5813 रुपये मासिक (8 घण्टे के 224 रुपये)
अर्ध-कुशल ***ब***	6073 रुपये मासिक (8 घण्टे के 234 रुपये)
कुशल श्रमिक ***ब***	6333 रुपये मासिक (8 घण्टे के 244 रुपये)
उच्च कुशल श्रमिक	6463 रुपये मासिक (8 घण्टे के 249 रुपये)

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 1 अप्रैल 2015 से जनरल केटगरी के लिये निर्धारित न्यूनतम वेतन :

अकुशल श्रमिक	6735 रुपये मासिक (8 घण्टे के 259 रुपये)
अर्ध-कुशल श्रमिक	7409 रुपये मासिक (8 घण्टे के 285 रुपये)
कुशल श्रमिक	8299 रुपये मासिक (8 घण्टे के 319 रुपये)

और इंजीनियरिंग इन्डस्ट्रीज में जहाँ 50 से अधिक श्रमिक हों वहाँ 1 फरवरी 2015 से निर्धारित न्यूनतम वेतन हैं : अकुशल — 6963 रुपये, अर्ध-कुशल — 7649 रुपये, कुशल — 8487 रुपये।

दिल्ली सरकार द्वारा 1 अप्रैल 2015 से निर्धारित न्यूनतम वेतन

: अकुशल श्रमिक 9048 रुपये मासिक (8 घण्टे के 348 रुपये);

अर्ध-कुशल श्रमिक 10,010 रुपये मासिक (8 घण्टे के 385 रुपये); कुशल श्रमिक 10,998 रुपये मासिक (8 घण्टे के 423 रुपये)। इस सन्दर्भ में तीन फोन नम्बर — 1031; 12789; 2392330

और तीन ई-मेल —

< cmdelhi@nic.in>; < gopalrai.delhi@gov.in>;

< labjlc2.delhi@nic.in >

एक डाक पता — श्रम आयुक्त दिल्ली सरकार , 5 शामनाथ मार्ग, दिल्ली—110054

रॉकलैण्ड अस्पताल

प्लॉट 2 सैक्टर-5, आई एम टी मानेसर स्थित रॉकलैण्ड अस्पताल में 150 डॉक्टर, 600 नर्स और एच आर वालों की तो भरमार है। हाउसकीपिंग, सेक्युरिटी आदि में ठेकेदारों के जरिये रखे वरकरों की रोज 12 घण्टे की ड्युटी है। कोई साप्ताहिक अवकाश नहीं, छुट्टी करने पर पैसे काटते हैं। प्रतिदिन 12 घण्टे की ड्युटी पर 30-31 दिन के 9000 रुपये काट-पीट कर देते हैं। तनखा से ई एस आई तथा पी एफ की राशि काटते हैं। पी एफ की भारी समस्या है। पी एफ नम्बर किसी भी वरकर को पता नहीं, इन्टरनेट पर फण्ड दिखता नहीं, और जो छोड़ कर गये हैं उन्हें फण्ड के पैसे नहीं मिले। तनखा हर महीने देरी से, 15-20 तारीख को। वार्षिक बोनस देते ही नहीं। कैन्टीन है पर थाली 30 रुपये की है, डॉक्टर-नर्स के लिये है, वरकर कमरे पर रोटी बना कर ले कर जाते हैं। रात को टॉप सेक्युरिटी दारू पी कर गाली भी देते हैं। और, बीमार होने पर रॉकलैण्ड अस्पताल से वरकर को एक रुपये की दवा तक नहीं, किसी वरकर के पास ई एस आई कार्ड भी नहीं है, ऐसे में प्रायवेट में उपचार करवाते हैं। ◆

छुट्टी कर ली तो सिंगल रेट से कर देते हैं।''

डीटेल्स मजदूर : '' डी-30 ओखला फेज-1, दिल्ली स्थित फैक्ट्री में ठेकेदार नहीं हैं। कम्पनी ने 300 कैजुअल वरकरों **(शेष पृष्ठ चार पर)**

सुरक्षाकर्मी-सेक्युरिटी गार्ड

24 आवर्स सेक्युरिटी गार्ड : '' साकेत, दिल्ली में मुख्यालय और बदरपुर, खानपुर, गुड़गाँव आदि में शाखा कार्यालय वाली 24 आवर्स सेक्युरिटी कम्पनी गार्डों से 12-12 घण्टे की शिफ्टों में काम करवाती है। साप्ताहिक अवकाश नहीं। रोज 12 घण्टे ड्युटी पर 30-31 दिन के 7200-8500-8700-9300-13000 रुपये देते हैं ***(दिल्ली सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन, साप्ताहिक अवकाश, और ओवर टाइम के पैसे जोड़ कर कानून अनुसार मई माह के 25 हजार 795 रुपये बने)*** । तनखा हर महीने देरी से, 25-28 तारीख को।''

एक्सपर्ट सेक्युरिटी सर्विस गार्ड : '' गुड़गाँव में दफ्तर बताते हैं, वहाँ जाते हैं तो ताला लटका मिलता है। फील्ड अफसर की जेब में ऑफिस मानिये। दो शिफ्ट हैं 12-12 घण्टे की। साप्ताहिक अवकाश नहीं। रोज 12 घण्टे ड्युटी पर 30-31 दिन के गार्ड को 8500 रुपये ***(हरियाणा सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन, साप्ताहिक अवकाश, और ओवर टाइम के पैसे जोड़ कर कानून अनुसार मई माह के 15 हजार 656 रुपये बने)*** । गार्डों की ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं।''

ब ज इन्टरप्राइजेज गार्ड : '' आली गाँव, दिल्ली में कार्यालय वाली बृज इन्टरप्राइजेज गार्डों से 12-12 घण्टे की शिफ्टों में काम करवाती है। साप्ताहिक अवकाश नहीं। रोज 12 घण्टे ड्युटी पर 30-31 दिन के 6000-6500 रुपये देते हैं ***(दिल्ली सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन, साप्ताहिक अवकाश, और ओवर टाइम के पैसे जोड़ कर कानून अनुसार मई माह के 25 हजार 795 रुपये बने)*** । तनखा हर महीने देरी से, 18-20 तारीख को।''

रहिनू सेक्युरिटी कम्पनी गार्ड : ''तैमूर नगर, दिल्ली में कार्यालय वाली रहिनू सेक्युरिटी गार्डों से 12-12 घण्टे की शिफ्टों में काम करवाती है। साप्ताहिक अवकाश नहीं। प्रतिदिन 12 घण्टे ड्युटी पर 30-31 दिन के 7000 रुपये ***(दिल्ली सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन, साप्ताहिक अवकाश, और ओवर टाइम के पैसे जोड़ कर कानून अनुसार मई माह के 25 हजार 795 रुपये बने)*** ।

पैराग्रीन सेक्युरिटी गार्ड : ''कापसहेड़ा बार्डर, दिल्ली कार्यालय वाली बड़ी सेक्युरिटी कम्पनी दिल्ली और हरियाणा में गार्ड सप्लाई करती है। पैराग्रीन सेक्युरिटी गार्डों से 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में काम करवाती है। साप्ताहिक अवकाश नहीं। रोज 12 घण्टे ड्युटी पर 30-31 दिन के 7300-8500-9000 रुपये, ई एस आई व पी एफ राशि काट कर ***(दिल्ली सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन, साप्ताहिक अवकाश, और ओवर टाइम के पैसे जोड़ कर कानून अनुसार मई माह के 25 हजार 795 रुपये बने दिल्ली क्षेत्र में ड्युटी है तो ; और हरियाणा सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन, साप्ताहिक अवकाश, और ओवर टाइम के पैसे जोड़ कर कानून अनुसार मई माह के 15 हजार 656 रुपये बने हरियाणा क्षेत्र में ड्युटी है तो)*** ।''

✶ अपने अनुभव व विचार मजदूर समाचार में छपवा कर चर्चाओं को और बढवाइये। नाम नहीं बताये जाते और अपनी बातें छपवाने के कोई पैसे नहीं लगते।

✶ बाँटने वाले फ्री में यह करते हैं। सड़क पर मजदूर समाचार लेते समय इच्छा हो तो बेझिझक पैसे दें।

✶ महीने में एक बार छापते हैं, 13,000 प्रतियाँ निशुल्क बाँटने का प्रयास करते हैं। चर्चाओं के लिए समय निकालें।

ट्रैक कम्पोनेन्ट्स

प्लॉट 21 सैक्टर-7, आई एम टी मानेसर स्थित फैक्ट्री में 1000 मजदूर। आठ स्थाई मजदूर और बाकी सब ठेकेदारों के जरिये रखे। मैनेजरों ने जनवरी 2014 में बताया कि हैड ऑफिस से 152 को परमानेन्ट करने की सूची आई है। लिस्ट दिखाई नहीं और फिर चुप्पी। जनवरी व जुलाई 2013 से देय मंहगाई भत्ता कम्पनी ने नहीं दिया था, जनवरी 2014 से देय डी. ए. भी नहीं दिया। हर वर्ष अप्रैल में 12-1300 रुपये का एग्रीमेन्ट होता था, 2014 के लिये मना कर दिया। दो बार नाप ले जाने के बाद सेफ्टी शूज देने से इनकार कर दिया। वर्दी 2013 में दी थी, 2014 के लिये मना कर दिया। कैन्टीन में भोजन बहुत खराब। फर्श टूटा-फूटा, ट्राली गिरती, चोट लगती। प्रोडक्शन टॉरचर : जहाँ मुश्किल से 1500-2000 पीस निकलते वहाँ 4000-5000 पीस निकालो। तनखा देरी से, 16 से 25 तारीख को। ओवर टाइम 18 से 23 रुपये प्रति घण्टा, महीने के 1600-1700 रुपये। एक्सीडेन्ट होने के बाद नौकरी छोड़ने को मजबूर करना।

8 स्थाई मजदूरों को आगे कर एच एम एस यूनियन से जुड़े। आठ-दस वर्ष से काम कर रहे 187 वरकरों के हस्ताक्षर 28 से 30 मई 2014 के बीच 15 लोगों ने बाइकों पर कमरे-कमरे जा कर करवाये। एच एम एस वालों ने फैक्ट्री यूनियन की रजिस्ट्रेशन के लिये 6 जून 2014 को फाइल चण्डीगढ लगाई। फाइल लगाने के बाद ठेकेदारों के जरिये रखे मजदूर चुपचाप आपस में मीटिंगें करते रहे। दो बार सैक्टर-7 पार्क में हस्ताक्षर के लिये एकत्र हो कर 2 से 4 वर्ष से कार्य कर रहे 5-600 ने दस्तखत किये और यूनियन पंजीकरण के लिये दूसरी फाइल जुलाई-अन्त 2014 में लगाई।

कम्पनी को पता चल गया। चर्चा : कम्पनी ने 5 लाख रुपये रिश्वत दे कर 187 मजदूरों के नाम वाली सूची चण्डीगढ से प्राप्त की। एक-एक, दो-दो को बुला कर मैनेजमेन्ट द्वारा धमकियाँ देना। यूनियन पदाधिकारी बने 8 स्थाई मजदूरों को धमकी और लालच की बातें — दो को 30-30 लाख रुपये और 6 को 5-5 लाख रुपये का ऑफर के किस्से। आठ स्थाई का 15 जून 2014 को कम्पनी ने गेट बन्द कर दिया और फिर दिवाली के बाद उन्हें ड्युटी पर लिया।

जब 8 बाहर थे तब 4 बार मानेसर पहाड़ी पर मीटिंग हुई। हर बार 6-700 मजदूर एकत्र हुये। एच एम एस के गुड़गाँव लीडरों के भाषण : एकता बनाये रखो; सब परमानेन्ट हो जाओगे; तनखा अच्छी हो जायेगी; जूते-वर्दी मिलेंगे; सब सुविधायें हो जायेंगी; सब बढिया होगा। जुलाई-अगस्त 2014 में चन्दा एकत्र किया। पुराने 25-30 हैल्परों ने 1000-1000 रुपये दिये, 400 ऑपरेटरों में 2-2 हजार रुपये दिये, 200 फोरमैनों ने भी 2000-2000 रुपये दिये।

अक्टूबर 2014 में 8 स्थाई के वापस ड्युटी पर आने के बाद यूनियन की तरफ से सन्नाटा है। फैक्ट्री यूनियन पदाधिकारियों और एच एम एस लीडरों की झूठ सुन-सुन कर हमारे कान पक गये हैं।

तनखा में देरी पर अब फिर मजदूर स्वयं काम बन्द करते हैं। काम बन्द हुये 15 मिनट ही होते हैं कि मैनेजमेन्ट कल या परसों पैसे देने की बात कर देती है।◆

की तनखा 7000- 8000 रुपये रखी है (कानून अनुसार 9048 रुपये हैल्परों की और 10, 998 रुपये कारीगरों की होनी चाहिये)। ओवर टाइम का भुगतान दुगुनी दर की बजाय सिंगल रेट से करते हैं।''

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं सम्पादक शेर सिंह के लिए रौनिजा प्रिन्टर्स फरीदाबाद से मुद्रित किया।
सौरभ लेजर टाइपसैटर्स, बी—551 नेहरु ग्राउंड, फरीदाबाद द्वारा टाइपसैट।
RN 42233 पोस्टल रजिस्ट्रेशन L/HR/FBD/73/15-17